मुख्यमंत्री भजनलाल ने गुरूनानक जयंती पर गुरुद्वारे में मत्था टेका

उन्होंने मानसरोवर गुरुद्वारे में श्रद्धालुओं को संबोधित किया व लंगर छकाया

जयपुर, 05 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश वर्ष के उपलक्ष्य में मानसरोवर स्थित गुरूद्वारे में श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने सभी को प्रकाश पर्व की बधाई देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी ने 'इक ओंकार सतनाम अर्थात् एक ईश्वर, एक सत्य' का पांच सौ वर्ष पहले संदेश दिया था, वह आज भी समाज के लिए अमृत के समान है। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने लंगर के माध्यम से समानता और मानवता का सबसे बड़ा उदाहरण पेश किया। उनका मानना था कि ईमानदारी से मेहनत करो और कमाया हुआ धन दूसरो के साथ बांटो, क्योंकि मनुष्य की सेवा करना ही सच्चा धर्म है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख धर्म ने हमेशा मानवता, साहस और त्याग की मिसाल पेश की है तथा इस समुदाय के वीरों ने देश की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के लोग स्वतंत्रता, संग्राम हो या देश की सीमाओं की सुरक्षा, बाढ़ हो या सूखा, हर परिस्थिति में सदैव मदद के लिए तैयार रहते हैं। सिख समुदाय ने व्यापार, शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में भी अतुलनीय योगदान दिया है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गुरुद्वारों का रखरखाव, तीर्थयात्रियों की सुविधाओं सहित सिख समुदाय का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है।**

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सिख समुदाय के कल्याण और विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। गुरुद्वारों के रखरखाव, तीर्थयात्रियों की सुविधाओं सहित सिख समुदाय का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है।

शर्मा ने इस अवसर पर गुरुद्वारा में मत्था टेका और प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। उन्होंने संगत को लंगर छकाया तथा स्वयं भी लंगर की प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान राजस्थान सिख समाज के अध्यक्ष अजयपाल सिंह तथा गुरुद्वारा प्रबंध समिति के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में आमजन मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाश वर्ष पर मानसरोवर स्थित गुरूद्वारे में श्रद्धालुओं को संबोधित किया और प्रकाश पर्व की बधाई दी।

विवाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके साथ ही, अदालत ने मामले में दायर याचिका को खारिज कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश जगदीश प्रसाद शर्मा की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि जेडीए अधिकरण भले ही सिविल कोर्ट के रूप में नामित न हो, लेकिन वह न्यायिक काम करता है और उसे सिविल कोर्ट की शक्तियां प्राप्त है। इसलिए ऐसे मामलों में अनुच्छेद 227 के तहत हाईकोर्ट को सुपरवाइजरी क्षेत्राधिकार प्राप्त है। अदालत ने कहा कि जेडीए अधिकरण से जुड़े मामलों की सुनवाई अनुच्छेद 226 के तहत नहीं, बल्कि 227 के तहत की जाएगी। अदालत ने यह भी कहा कि कृषि भूमि का भू-उपयोग रूपान्तरण किए बिना व्यावसायिक गतिविधियां चलना गैरकानूनी है। यदि किसी अन्य व्यक्ति ने बिना अनुमति ऐसे गार्डन संचालित कर रखे हैं तो इस आधार पर दूसरा ऐसा नहीं कर सकता।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके बाद 25 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। इसके बाद 26 नवंबर से एक दिसंबर तक प्रत्याशी नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। वहीं, 3 दिसंबर को चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की सूची जारी की जाएगी और 12 दिसंबर को चुनाव करवाए जाएंगे। चुनाव के बाद 13 दिसंबर को मतगणना होगी व चुनाव परिणाम घोषित किया जाएगा।

स्टेनोग्राफर भर्ती 2024 में नियुक्ति देने पर रोक

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्टेनोग्राफर भर्ती-2024 में पर्याप्त अभ्यर्थी होने के बावजूद, पांच फीसदी की अतिरिक्त छूट देने से जुड़े मामले में कर्मचारी चयन बोर्ड से जवाब मांगा है। इसके साथ ही, अदालत ने गत 21 अक्टूबर को जारी चयन सूची के आधार पर अभ्यर्थियों को नियुक्ति देने पर रोक लगा दी है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने ये आदेश दिनेश शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

सचिन पायलट ने अंता से सीसवाली तक रोड शो किया

उन्होंने अंता उपचुनाव में प्रमोद भाया के पक्ष में मतदान की अपील की

पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने अन्ता विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के समर्थन में रोड शो किया।

अंता (निसं), 5 नवंबर। राजस्थान प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं महासचिव अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी सचिन पायलट अन्ता विधानसभा क्षेत्र में सम्पन्न होने जा रहे उपचुनाव को लेकर कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में जनसम्पर्क करने के लिए पहुंचे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचरण मीणा ने बताया कि कांग्रेस के स्टार प्रचारक, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट द्वारा आज अन्ता पहुंचकर एनटीपीसी तिराहे से अन्ता शहर में बाजारों, चौराहों में रोड शो के माध्यम से मतदाताओं से कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया के पक्ष में मतदान करने की अपील की गई। यहां से पायलट का काफिला रातड़िया तिराहा, बालाखेड़ा, बालदड़ा तिराहा, बड़गांव तिराहा, पाटोन्दा तिराहा तथा उदपुरिया होते हुए सीसवाली पहुंचा। रोड शो के दौरान ग्रामीणों द्वारा पुष्पवर्षा कर, कांग्रेस जिन्दाबाद के नारे लगाते हुए गर्मजोशी से काफिले का स्वागत किया गया। सीसवाली के बाजारों में सचिन पायलट द्वारा रोड शो के माध्यम से जनसम्पर्क किया गया। इसके पश्चात वे सीसवाली में आयोजित जनसभा में पहुंचे तथा वहां से छत्रपुरा, मूण्डला, सरकन्या, पचेलकलां, काचरी होते हुए, वापस अन्ता में रोड शो सम्पन्न किया।

- **पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने सीसवाली में जनसभा में कहा कि भाजपा में अंतर्कलह और आपसी खींचतान इतनी है कि यहाँ से भाजपा प्रत्याशी के टिकट वितरण में काफी विलंब हुआ।**

सचिन पायलट ने अपने सम्बोधन में कहा कि विधानसभा क्षेत्र अन्ता में अधिकांश विकास के कार्य कांग्रेस पार्टी के समय में प्रमोद जैन भाया द्वारा करवाए गए हैं। यहां पर जो भाजपा के विधायक थे, उनकी न्यायालय द्वारा सदस्यता खारिज कर दी गयी, जिसके कारण यह सीट खाली हुई और यह उप चुनाव हो रहा है। चुनाव कोई भी लड़ सकता है, लेकिन शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव लड़ा जाना चाहिए। पायलट ने कहा कि 2 साल भाजपा सरकार को हो गए, जनता ने भाजपा के इस कार्यकाल को देख लिया है तथा जो भाजपा की वादा खिलाफी रही, उसका भी जनता आंकलन करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा में अर्न्तकलह और आपसी खींचतान इतनी है कि यहां के भाजपा प्रत्याशी के टिकट वितरण में भी काफी विलम्ब हुआ।

कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने अपने सम्बोधन में कहा कि मेरे द्वारा अन्ता विधानसभा क्षेत्र के व्यक्तियों को गणेश मानकर जो सेवा की गई है, वह किसी से छुपी हुई नहीं है। जो जनप्रतिनिधि का दायित्व होता है, उसका निर्वहन मेरे द्वारा पूरी ईमानदारी से किया जायेगा।

चंद्रबाबू नायडू भी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नायडू की चिंता वैचारिक बदलाव को लेकर नहीं, बल्कि राजनीतिक स्थिरता को लेकर है, जो सीधे आंध्र प्रदेश की आर्थिक स्थिति पर असर डालेगी। मई 2024 में प्रचंड बहुमत से सत्ता में लौटने के बाद से नायडू केन्द्र सरकार से राज्य की कमजोर अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए बड़े पैमाने पर वित्तीय सहायता मांग रहे हैं। आंध्र प्रदेश इस समय गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रहा है, जबकि राज्य सरकार के सामने कई महत्वाकांक्षी विकास परियोजनाएँ हैं। ऐसे में नायडू किसी भी स्थिति में केन्द्र के मौजूदा सत्ता समीकरण में अस्थिरता नहीं चाहते।

एक उच्च स्तरीय टीडीपी सूत्र के अनुसार, "भले ही बिहार में भाजपा को झटका लगे, नायडू किसी भी हालत में समर्थन वापस नहीं लेंगे। उनकी पहली प्राथमिकता है कि उन्हें केन्द्र से वित्तीय सहयोग मिलता रहे और केन्द्र के साथ समन्वय बना रहे।"

लेकिन नायडू की गणना केवल भाजपा तक सीमित नहीं है। वे आरएसएस की गतिविधियों एवं संकेतों पर भी कड़ी नज़र रखे हुए हैं। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि नायडू को ऐसे आकलन मिले हैं जिनसे संकेत मिलता है कि अगर भाजपा को बिहार में बड़ा चुनावी नुकसान हुआ, तो आरएसएस, भाजपा संगठन पर अपनी पकड़ और मजबूत करने की कोशिश कर सकता है। सूत्रों का कहना है कि ऐसा हुआ तो एनडीए के भीतर शक्ति संतुलन बदल सकता है और केन्द्र की नेतृत्व शैली में भी परिवर्तन आ सकता है। नायडू संभावित स्थिति को पहले से भांप लेना चाहते हैं, ताकि बाद में उन्हें प्रतिक्रिया देने की नौबत न आए।

बिहार का पहला चरण जिस तरह एक कड़े मुकाबले की दिशा तय करने जा रहा है, वह भारतीय राजनीति की इस सच्चाई को उजागर करता है कि आज क्षेत्रीय नेता यह भली-भांति समझते हैं कि हर राज्य का चुनाव राष्ट्रीय सत्ता संतुलन को प्रभावित कर सकता है। जब बिहार का चुनाव परिणाम आयेगा, तो राजनैतिक असर केवल पटना तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि सीधे अमरावती और दिल्ली के सत्ता गलियारों तक पहुँचेगा।

प्रथम चरण की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मतदाताओं को यह विश्वास करना मुश्किल लग रहा है कि ये वादे पूरे किये जायेंगे।

इस चुनाव का पूरा राजनीतिक कथानक जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के नेता प्रशांत किशोर ने तय कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर नीतीश कुमार तथा तेजस्वी यादव और राहुल गांधी तक, सभी अपने भाषणों में उन्हीं मुद्दों को दोहरा रहे हैं, जिन्हें किशोर ने सामने रखा था: पलायन, बेरोजगारी, शिक्षा और बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता।

भले ही जेएसपी की सीट जीतने की दर कम रहने की संभावना है, लेकिन यह पार्टी पारंपरिक वोटिंग पैटर्न को तोड़कर दोनों गठबंधनों, खासकर महागठबंधन, की चुनावी संभावनाओं को नुकसान पहुँचा सकती है।

तेजस्वी यादव ने 2020 के पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए के खिलाफ मजबूत माहौल तैयार कर लिया था, लेकिन इस बार कई कारणों से, वो जोश और जुनून दिखाई नहीं दे रही। इस बार महागठबंधन का प्रचार न तो संगठित है और न ही एक स्वर में चल रहा है।

इसके अलावा, राहुल गांधी और कांग्रेस ने चुनावी अभियान की शुरुआत में "वोटर अधिकार यात्रा" के जरिए पार्टी के पुराने जनाधार को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया था। हालांकि, यात्रा को मीडिया में अच्छा कवरेज मिला, लेकिन तेजस्वी और आरजेडी नेतृत्व शुरुआती चरण में ही प्रचार से भटक गया और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में विफल रहा।

पिछली बार के मुकाबले इस बार स्थिति अलग है। एलजेपी (राम विलास) के चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेन्द्र कुशवाहा की छोटी- छोटी पार्टियाँ भी एनडीए का हिस्सा हैं।

संक्षेप में कहा जाए तो इस बार एनडीए गठबंधन अधिक संगठित, अनुशासित और मुस्तैद दिख रहा है।

भारतीय मूल के तीन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वोट (54.2 प्रतिशत) हासिल कर रिपब्लिकन जॉन रीड (12,32,242 वोट) को हराया।

शिक्षिका और सामाजिक न्याय की पैरोकार हाशमी ने शिक्षा, महिलाओं के प्रजनन अधिकार, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और पर्यावरण संरक्षण जैसे मुद्दों पर विधायी ध्यान दिया है। उनके अभियान को "इंडियन अमेरिकन इम्पैक्ट फंड" का मजबूत समर्थन मिला, जिसने मतदाताओं को संगठित करने के लिए 1,75,000 डॉलर का निवेश किया।

इम्पैक्ट फंड के कार्यकारी निदेशक चिंतन पटेल ने कहा, "एक प्रवासी, शिक्षिका और अथक कार्यकर्ता के रूप में हाशमी ने वर्जीनिया के कामकाजी परिवारों के लिए अवसर बढ़ाने और ठोस परिणाम देने के लिए अपना जीवन समर्पित किया है।" उन्होंने उनकी जीत को समुदाय, राज्य और लोकतंत्र के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

ग़ज़ाला का जन्म 5 जुलाई 1964 को हैदराबाद में हुआ था। वे चार वर्ष की आयु में अपनी मां और बड़े भाई के साथ अमेरिका चली गईं, जहां उनके पिता पहले से जॉर्जिया में "अंतर्राष्ट्रीय संबंध" विषय में पीएचडी पूरी कर रहे थे और विश्वविद्यालय में अध्यापन आरंभ कर रहे थे।

ग़ज़ाला ने बाद में जॉर्जिया सदर्न यूनिवर्सिटी से स्नातक की डिग्री ऑनर्स के साथ प्राप्त की और अटलांटा के एमरी विश्वविद्यालय से अमेरिकी साहित्य में पीएचडी की उपाधि हासिल की। उन्होंने तीस वर्ष पूर्व अज़हर रफ़ीक से विवाह किया था। उनकी दो बेटियां हैं, यास्मीन और नूर। उनके नाना आंध्र प्रदेश सरकार के कर्मचारी थे। ग़ज़ाला का हैदराबाद स्थित अपने परिवार से आज भी गहरा लगाव है।

ग़ज़ाला हाशमी को राजनीति में आने की प्रेरणा राष्ट्रपति ट्रंप के "ट्रैवल बैन" से मिली थी, जिसके तहत सात मुस्लिम-बहुल देशों, सीरिया, ईरान, इराक, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन के नागरिकों के अमेरिका प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

इतने सारे झटकों के बावजूद, राष्ट्रपति ट्रंप की बेशर्मी उस समय सामने आई, जब उन्होंने इन चुनावों में रिपब्लिकंस की हार के कारण बताये। उन्होंने कहा कि चूंकि वे खुद मतपत्र पर नहीं थे और अमेरिकी संघीय सरकार लंबे समय से बंद (शटडाउन) का सामना कर रही है, इसलिए उनकी रिपब्लिकन पार्टी इस साल के पहले बड़े चुनावों में हार गई।

चुनाव परिणामों के तुरंत बाद वाइट हाउस ने सोशल मीडिया पर निक्स का लोगो पोस्ट करते हुए ट्रंप का संदेश साझा किया, "ट्रंप आपके राष्ट्रपति हैं।" इसे न्यूयॉर्क मेयर चुनाव में ममदानी की जीत के बाद संभावित प्रतिशोधी कदम के संकेत के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें न्यूयॉर्क सिटी के फंड रोकने जैसी कार्रवाई भी शामिल हो सकती है।

ट्रंप ने इससे पहले डेमोक्रेट्स समर्थक वोटरों को चेतावनी दी थी, "डेमोक्रेट को वोट देना मौत की इच्छा के समान है, रिपब्लिकन को वोट दें।"

उन्होंने वर्जीनिया और न्यू जर्सी के मतदाताओं को भी चेतावनी दी थी, जहाँ नए गवर्नर चुने जा रहे थे, "वर्जीनिया और न्यू जर्सी यह याद रखें, रिपब्लिकन को वोट देने का मतलब है, ऊर्जा की कीमतों में भारी कमी। डेमोक्रेट को वोट देना, खासकर इन दोनों हारने वालों को, आपकी ऊर्जा लागत को दोगुना, तिगुना और चौगुना कर देगा।"

मतदान की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भविष्य, लोकतंत्र और कानून के शासन के बारे में बहुत कुछ कहता है, जिसे भाजपा नेतृत्व द्वारा नष्ट किया जा रहा है।" उन्होंने चुनाव आयोग पर भी तीखा प्रहार किया और कहा कि आयोग भाजपा के साथ "मिलीभगत" में काम कर रहा है, ताकि जनादेश को पलटकर किसी भी तरह भाजपा की जीत सुनिश्चित की जा सके, भले ही वह धोखाधड़ी से ही क्यों न हो। राहुल ने कहा कि "बार-बार वोट डालना, फर्जी पहचान पत्रों का इस्तेमाल, एक ही व्यक्ति का अलग-अलग बूथों पर अलग नामों, जैसे सीमा या शबनम, से मतदान करना, अब इस सरकार की पहचान बन गई है।" उन्होंने यह भी कहा कि "एक ही घर में 100 लोग वोटर सूची में दर्ज हैं" और ऐसे अनगिनत उदाहरण दिए, जो यह दिखाते हैं कि चुनाव जीतने के लिए किसी भी हद तक जाने की संस्कृति स्थापित कर दी गई है।

जयपुर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शुरु कर दी है। पुलिस का मानना है कि पढ़ ाई का तनाव होने के कारण छात्रा ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया है।

ट्रंप व उनकी टीम को सामान्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गिरवाकर अपना "ड्रीम बॉलरुम" बनाने की योजना बनाई थी, जहाँ अत्यधिक लग्ज़री में राष्ट्रपति के भोज और समारोह आयोजित किए जा सकें।

अमेरिकी जनता ने इसे राष्ट्रीय धरोहर, वाइट हाउस की तोड़फोड़ और उसकी ऐतिहासिक वास्तुकला के साथ विश्वासघात के रूप में देखा।

इतना ही नहीं, ट्रंप की आर्थिक नीतियों के दुष्परिणामों ने भी जनता को गहराई तक असंतुष्ट किया। उनकी अस्थिर और विरोधाभासी टैरिफ नीतियों के कारण सामान्य अमेरिकी नागरिकों और कंपनियों को आयातित वस्तुओं के लिए अधिक कीमत चुकानी पड़ी।

दूसरे कार्यकाल की शुरुआत के कुछ ही महीनों में आम अमेरिकियों का जीवन स्तर तेजी से गिरा है।

- **रही सही कसर निकाल दी सम्राट ट्रंप ने अपनी पार्टी के अधिकृत उम्मीदवार को स्वीकार नहीं करके। इसके बजाय उन्होंने पूर्व मेयर एंड्रू क्यूमो को खुला समर्थन दिया, जिससे रिपब्लिकन वोट बैंक भी विभाजित हो गया था।**

राष्ट्रपति बाइडन के समय महंगाई को लेकर जनता में असंतोष था, वह अब ट्रंप के दौर में भारी नाराज़गी में बदल गया है। कीमतों में वृद्धि और आर्थिक कठिनाईयों ने जनता को झकझोर दिया है।

राज्य-दर राज्य और विशेष रूप से न्यूयॉर्क, जो अमेरिकी जीवन का केन्द्र है, में राष्ट्रपति ट्रंप के उम्मीदवार को बुरी तरह पराजित होना पड़ा। विजेता उम्मीदवार जोहरन ममदानी, ट्रंप की "मेक अमेरिका ग्रेट अगेन" (एम.ए.जी.ए.) विचारधारा के ठीक विपरीत हैं। कभी विशेषज्ञों ने सवाल उठाया था कि क्या ममदानी "पर्याप्त रूप से अमेरिकी" हैं, जिससे वो न्यूयॉर्क जैसे शहर के मेयर बन सकें।

वे दक्षिण एशियाई मूल के हैं, मुस्लिम हैं और उदार विचारों वाले डेमोक्रेट हैं। राष्ट्रपति ट्रंप अक्सर उन्हें "कम्यूनिस्ट" कहते रहे हैं, क्योंकि वे वामपंथी विचारों की बात करते हैं और स्वतंत्र फ़िलिस्तीनी राज्य के समर्थक हैं।

उन्होंने एंड्रयू कुओमो नाम के एक ऐसे व्यक्ति को हराया, जिसे ट्रंप ने न्यूयॉर्क मेयर चुनाव के लिए, रिपब्लिकन उम्मीदवार को नज़रअंदाज करके, अपना समर्थन दिया था।

कुछ विश्लेषकों का मानना है कि ट्रंप का कुओमो को समर्थन देना, जिन्होंने डेमोक्रेटिक पार्टी से नाराज़ होकर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था, वास्तव में रिपब्लिकन वोटों को विभाजित कर गया।

तकनीकी पहलुओं को छोड़ दें तो चुनाव परिणाम यह स्पष्ट करते हैं कि अमेरिकी जनता नीति अस्थिरता और उससे उपजी आर्थिक परेशानियों से बेहद असंतुष्ट है, जिनका असर उसके रोजमर्रा के जीवन पर पड़ रहा है।

जोधपुर विकास प्राधिकरण

Jodhpur Development Authority

ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर

- योजना में भूखण्डों की कुल संख्या 1481 रखी गई है। जिसमें से 513 भूखण्ड ऑटोमोबाइल नगर, 653 भूखण्ड ट्रांसपोर्ट नगर तथा इनफोर्मल मार्केट हेतु 315 भूखण्ड आरक्षिक किए गए हैं।
- योजना के आवंटन योग्य सामान्य भूखण्ड 1111 में से ट्रांसपोर्ट नगर हेतु 607 भूखण्ड तथा ऑटोमोबाइल नगर हेतु 504 भूखण्ड प्रस्तावित है।
- इसके अलावा ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाइल से संबंधित छोटे व्यवसायियों हेतु इनफोर्मल मार्केट में ब्लॉक ए 35 एवं ब्लॉक बी में 280 कुल 315 भूखण्ड आवंटन हेतु प्रस्तावित किए गए हैं।
- जिनकी संख्या घटाई या बढ़ाई जा सकती है। सामान्य भूखण्डों काआवंटन लॉटरी प्रद्धति से किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट विजिट करें https://joda.rajsthan.gov.in

प्राधिकरण द्वारा ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर योजना में आवेदन पत्रों के पंजीकरण की अन्तिम तिथि 16.11.2025 तक एवं ऑनलाईन आवेदन करने की अन्तिम तिथि को 18.11.2025 तक बढ़ाया गया है। साथ ही इस योजना की लॉटरी हेतु दिनांक: 25.11.2025 प्रस्तावित की गई है।

इस योजना के आवेदन पत्र केवल ऑनलाईन ही स्वीकार किए जाएंगें।

ट्रांसपोर्ट एवं ऑटोमोबाईल नगर की आवेदन पुस्तिका तथा आवेदन की प्रक्रिया सामान्य शर्ते व ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने की प्रक्रिया/विस्तृत जानकारी जेडीए पोर्टल/joda.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908